

# विजया और देना बैंक के खाताधारक आज से बॉब के ग्राहक हुए

■ दोनों बैंकों के बैंक आफ बड़ौदा में विलय की प्रक्रिया हुई पूरी

■ नई दिल्ली (भाषा)।

दो सरकारी बैंकों विजया बैंक और देना बैंक का एक अप्रैल से बैंक आफ बड़ौदा में विलय हो जाएगा। इन दोनों बैंकों के विलय के बाद बैंक आफ बड़ौदा (वॉब) देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक बन जाएगा। विलय के बाद विजया बैंक और देना बैंक की सभी शाखाएं सोमवार से बैंक आफ बड़ौदा की शाखाओं के तौर पर काम करने लगेगी। रिजर्व बैंक ने शनिवार को एक वयान में कहा, 'विजया बैंक और देना बैंक के उपभोक्ताओं को एक अप्रैल से बैंक आफ बड़ौदा का ग्राहक माना जाएगा।' केंद्र सरकार ने अतिरिक्त खर्च की भरपाई के लिए बैंक आफ बड़ौदा को 5,042 करोड़ रुपए देने का फिछले सप्ताह निर्णय लिया था।

शेयरधारकों पर असर : विलय की योजना के तहत विजया बैंक के शेयर धारकों को प्रत्येक एक हजार शेयरों के बदले बैंक आफ बड़ौदा के 402 शेयर मिलेंगे। देना बैंक के शेयरधारकों को उनके प्रत्येक एक हजार शेयर के बदले बैंक आफ बड़ौदा

## विलय

- विलय से तीसरा सबसे बड़ा बैंक बना बैंक आफ बड़ौदा
- इससे बैंक आफ बड़ौदा का कारोबार 15 लाख करोड़ हुआ
- विजया के 1000 शेयर के बदले बॉब के 402 शेयर
- देना बैंक के 1000 शेयर के बदले बॉब के 110 शेयर



के 110 शेयर मिलेंगे। विलय के बाद संयुक्त निकाय का कारोबार 14.82 लाख करोड़ रुपए का होगा।

तीसरा सबसे बड़ा बैंक : यह भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक बन जाएगा।

इस विलय के बाद देश में सरकारी बैंकों की संख्या कम होकर 18 रह जाएगी। देश के बैंकिंग क्षेत्र में 31 मार्च 2019 को समाप्त हो रहे इस वित्त वर्ष के दौरान कई अहम पहल की गईं। विजया बैंक और देना बैंक का बैंक आफ बड़ौदा में विलय करने के साथ ही सरकारी क्षेत्र के आईडीवीआई बैंक में सरकार की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हस्तांतरित कर दिया गया।

बैंकों की पूंजी बढ़ी तो घटा एनपीए : वित्त सेवाओं के विभाग ने वर्ष के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में रिकार्ड 1.06 लाख करोड़ रुपए की पूंजी भी डाली। इसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आफ इंडिया, कारपोरेशन बैंक, इलाहाबाद बैंक सहित पांच बैंक रिजर्व बैंक की त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई निगरानी से बाहर निकल आए। इस दौरान बैंकों की गैर-निष्पादित राशि (एनपीए) राशि में 2018-19 की अप्रैल-सितम्बर तिमाही में 23,860 करोड़ रुपए की कमी आई।